

हिमालय तथा प्रायद्वीपीय नदियों में अंतर / उत्तर भारत व 60 भारत

हिमालय पर्वत की नदियाँ

1. हिमालय पर्वत की नदियाँ अधिक लम्बी हैं
2. हिमालय पर्वत की नदियाँ के जलप्रवाह क्षेत्र काफी बड़े हैं।
3. नदियों की संख्या अधिक
4. हिमालय की नदियाँ हिमरश्मा क्षेत्रों से निकलती हैं और वर्षा तथा बर्फ के पिघलने से जल प्राप्त करती हैं। अतः ये संकपाधेनी हैं।
5. हिमालय की नदियाँ शहर ज़ांसे कम हैं
6. खिसप बनती हैं और मार्ग भी बदलती हैं।
7. नदियाँ जहागरानो के सिंचाई के अडकल
8. हिमालय की नदियाँ बाल्यावस्था और युवावस्था में हैं।
9. हिमालय की नदियाँ ईर्ष्या और पर्याप्त होती हैं।
10. बड़े-बड़े डेल्टा का निर्माण
11. हिमालय की नदियाँ बड़े नदी हैं जो अंग बनकर सागर में गिरती हैं।
12. अपवाह क्षेत्र - बड़े
13. अपवाह क्षेत्र - बड़े
14. अपवाह क्षेत्र - बड़े

प्रायद्वीपीय पठार की नदियाँ

1. कम लंबी हैं।
2. जलप्रवाह क्षेत्र अपेक्षाकृत छोटा
3. नदियों की संख्या कम
4. प्रायद्वीपीय नदियाँ वर्षा पर निर्भर करती हैं। इसलिए शुरुआत में सूख जाती हैं। * जलप्रवाह से भी
5. प्रायद्वीपीय नदियाँ उथली घाटियों में बहती हैं।
6. अपेक्षाकृत सीधी मार्ग अपनाती हैं, मार्ग नहीं बदलती हैं।
7. जहागरानो और सिंचाई के अडकल नहीं
8. ग्रीवावस्था में छेद चुकी हैं।
9. प्रायद्वीपीय नदियाँ अपवाह हैं।
10. छोटे डेल्टा निर्माण व नदी ज्वारभाटा
11. यहाँ सभी नदियाँ अपवाह हैं जो अपवाह हैं।
12. अपवाह क्षेत्र - बड़े
13. अपवाह क्षेत्र - बड़े
14. अपवाह क्षेत्र - बड़े

15. दो बार जलसुर उपर उठी है
 (i) 6.40 मानसून के कारण
 (ii) शीतकाल में हिमानी पिघलने के कारण

15. दो बार उठी है
 (i) 6.40 मानसून के कारण
 (ii) 3-20 मानसून के कारण

16. जलप्रपात एवं उष्णलिका का निर्माण केवल पहाड़ क्षेत्रों में होती है

16. पूरे भारत में उष्णलिका एवं जलप्रपात का निर्माण होती है

17. अपवाह प्रणालि
 - पहाड़ी क्षेत्रों में — उष्णकटिबंधीय
 मैदानी — समशीतोष्ण
 डेल्टा — जलसिक्त

17. केवल उष्णकटिबंधीय जलसिक्त

18. हिमालय से निकलने वाली नदियाँ
 जो ईश. महासागर नहीं प्रायद्वीपीय
 भारत की है

18. हिमालय का एक भी नदी प्रायद्वीपीय
 नदी का सहायक नहीं है

19. 30 भारत के नदियों को दो उद्गम
 क्षेत्र हैं — हिमालय पर्वत & प्रायद्वीपीय
 पहाड़ के उत्तरी भाग

19. प्रायद्वीपीय भारत के पश्चिम
 पर्वत आधिकांश नदियों का उद्गम
 क्षेत्र है

20. 30 भारत की ईश. मोनसून छाये
 से दोहर प्रवाह नहीं होती
 अपवाह — समशीतोष्ण

20. गर्मियों के राष्ट्रीय अंश छाये से
 प्रवाहित होते हैं

21. 30 भारत की नदियाँ गर्ज व ह्रास
 का निर्माण करती हैं।

21. गोदावरी को छोड़कर ईश.
 नहीं गर्ज या ह्रास का निर्माण
 नहीं करती है

बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में गिरने वाली नदियों में

बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ

अरब सागर में गिरने वाली नदियाँ

- | | |
|---|--|
| 1. उद्गम प्रायद्वीपिय भारत के पठार पर्वत के पूर्वी भाग से | 1. पठार के पठार भाग से |
| 2. अरब सागर, मालाब, पूर्वी जल | 2. पूर्वी जल |
| 3. जलसंधि क्षेत्र बंध | 3. जलसंधि क्षेत्र बंध |
| 4. डेल्टा का निर्माण | 4. ज्वार नदिसमुद्र का निर्माण |
| 5. नदियों की लंब + चौड़ाई अधिक | 5. कम |
| 6. एक नदी की कई सहायक नदी हैं | 6. सहायक नदियों का अभाव |
| 7. महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी प्रमुख नदी | 7. नर्मदा व ताप्ती प्रमुख नदी |
| 8. कुछ नदियाँ मार्ग परिवर्तन करती हैं। | 8. कोई भी नदी मार्ग परिवर्तन नहीं करती |
| 9. प्रत्येक नदियाँ असम - कलकत्ता मुहाना बनाती हैं। | 9. दो प्रमुख मुहाना नर्मदा व ताप्ती बनाती हैं इसके अलावे बहुत छोटे छोटे नदियाँ हैं |
| 10. 3000 मानसून + 6000 मानसून से जलस्रोत बनती हैं। | 10. 6000 मानसून से |
| 11. अपरदन व निक्षेपण क्षमता बहुत कम | 11. अधिक |
| 12. बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ समानांतर प्रतिकूल का निर्माण करती हैं। | 12. 2क्षेत्र + समानांतर |
| 13. कोई भी नदी अंडाकार का निर्माण नहीं करती | 13. नर्मदा व ताप्ती अंडाकार का निर्माण करती हैं |
| 14. गोदावरी का डेल्टा कोई भी नदी का नहीं है। | 14. कोई भी नहीं |
| 15. नदियों का ढाल मंद | 15. ढाल तीव्र |
| 16. अंडाकार का निर्माण | 16. अलपपात का निर्माण |